Ved International Journal of Arts, Commerce and Technology (VIJACT)
© VIJACT |Vol.2, Issue5, May 2026, pp. 22-28 | ISSN: 3139-1656 (Online)
DOI: https://doi.org/10.65785/vijact.v2i5.44
Available online at: https://vijact.com/

जनपद श्रावस्ती के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन

सृष्टि सिंह [1] एवं डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव [2]

[1] एम.एड. छात्रा, शिक्षाशास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

[2] सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

Article Info

Article history:

Received May 18, 2026

Accepted May 29, 2026

Published May 31, 2026

Keywords:

माध्यमिक स्तर

व्यावसायिक जागरूकता

अभिप्रेरणा

सहसंबंध

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध पत्र माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध पर आधारित है। इसके अतिरिक्त, माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं के मध्य व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया गया है। यह अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि पर आधारित है। अध्ययन के प्रतिदर्श के रूप के उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद श्रावस्ती के माध्यमिक स्तर के कक्षा नवीं एवं दसवीं के 100 विद्यार्थियों का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्श प्रविधि द्वारा किया गया है। शोध संबंधी आंकड़ों के संकलन के लिए शोधकर्ता द्वारा पांच बिंदु लिकर्ट मापनी पर आधारित स्वनिर्मित मापनियों का प्रयोग किया गया है। इनमें क्रमशः 34 कथनों से युक्त "व्यावसायिक जागरूकता मापनी" एवं 50 कथनों से युक्त "अभिप्रेरणा मापनी" शामिल है।प्रस्तुत अध्ययन में संकलित आँकड़ों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय प्रविधियां के अंतर्गत माध्य, मानक विचलन तथा पियर्सन सहसंबंध गुणांक का उपयोग किया गया।आंकड़ों के विश्लेषण के पश्चात यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सकारात्मक सहसंबंध पाया गया। साथ ही बालक एवं बालिकाओं के मध्य व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ है कि बालकों में उच्च सहसंबंध तरह बालिकाओं में मध्यम सहसंबंध पाया गया।

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.

Corresponding Author:
सृष्टि सिंह
Email: srishtitarasinghh@gmail.com

1. प्रस्तावना:

शिक्षा मानव जीवन का अभिन्न अंग है जो उसके सर्वांगीण विकास में सहायक होती है।आधुनिक युग में शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य व्यक्ति की समस्त पहलुओं का विकास कर उसे योग्य एवं सफल नागरिक बनाना है।शिक्षा योग्य नागरिकों का निर्माण कर किसी भी राष्ट्र की उन्नति एवं समृद्धि का आधार प्रदान करती है(मंगल, 2022; सिंह, 2017) ,इसी प्रकार व्यवसाय मानव जीवन का एक आवश्यक पक्ष है जिससे मानवीय क्रियाकलाप एवं गतिविधियां सुचार रूप से गतिशील होती हैं।शिक्षा का उद्देश्य न केवल बौद्धिक विकास से है बल्कि वह व्यक्ति को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से भी तैयार करती है । अतः शिक्षा ज्ञान अर्जन के साथ-साथ व्यावसायिक जागरूकता प्रदान करने वाली होनी चाहिए

जिससे व्यक्ति स्वालंबी बन सके एवं अपने जीवकोपार्जन हेतु कार्य कर सके (शिक्षा मंत्रालय, 2020)। व्यावसायिक जागरूकता वह व्यापक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से विद्यार्थी यह समझने में सक्षम बनता है कि समाज में किस प्रकार के वृत्ति विकल्प उपस्थित है और उस के लिए उसे किस प्रकार की कौशल की आवश्यक है। जब विद्यार्थी व्यवसाय के समस्त पहलुओं को समझता है एवं उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर लेता है तो उसे अपने रुचि अनुसार वृत्ति विकल्पों का चयन कर सफलता प्राप्त करने में सहायता मिलती है (कोंडलराव, 2021)। व्यावसायिक जागरूकता मात्र व्यवसाय की जानकारी प्राप्त करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थी के स्वयं की रुचियों, क्षमताओं, अभिरुचियों और व्यक्तित्व की विशेषताओं को पहचानने की प्रक्रिया से भी गहराई से जुड़ा होता है (गुप्ता, 2019)। अभिप्रेरणा वह मानसिक प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति अपने कार्य को आरंभ करता है और उसे जारी रखता है। अभिप्रेरणा व्यक्ति को सफल बनाने के लिए ईंधन प्रदान करता है। अभिप्रेरणा अपने आंतरिक एवं बाह्य स्वरूप में व्यक्ति को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। अभिप्रेरणा व्यक्ति की सीखने की प्रक्रिया को सक्रिय करती है, उसका लक्ष्य निर्धारण करती है एवं लक्ष्य प्राप्ति की ओर सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती है। अभिप्रेरित विद्यार्थी स्वमूल्यांकन कर अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप उपयुक्त व्यवसाय का चयन कर उसके लिए आवश्यक कौशल अर्जित करने के लिए सक्षम बनता है (गोस्वामी, 2021)।

व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा दोनों ही विद्यार्थी की वृद्धि विकास एवं सफलता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक तत्व हैं। व्यावसायिक जागरूकता विद्यार्थी के भीतर विभिन्न व्यवसाय से संबंधित योग्यता कुशलताओं की सीमा को समझने की क्षमता का विकास करती है तथा अभिप्रेरणा व्यक्ति को लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रयासरत रखती है। अतः इन दोनों के मध्य सामंजस्य विद्यार्थियों को उचित वृति विकल्प का चयन हेतु ,लक्ष्य निर्धारण हेतु और दीर्घकालिक सफलता हेतु सक्षम बनाती है (शिक्षा मंत्रालय, 2020)।

पूर्व में किए गए विभिन्न शोध अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि, अभिवृत्ति, उपलब्धि प्रेरणा एवं सामाजिक कारकों के मध्य घनिष्ठ संबंध पाया जाता है। शंकर, कुमार एवं अरोड़ा (2016) ने पाया कि सामाजिक परिवेश एवं विद्यालयी वातावरण व्यावसायिक आकांक्षाओं को प्रभावित करते हैं। गुप्ता (2019) एवं गोस्वामी (2021) के अध्ययनों में व्यावसायिक रुचि के संदर्भ में लिंग आधारित अंतर के मिश्रित परिणाम प्राप्त हुए। कोंडलदेव (2021) तथा मिश्रा एवं भार्गव (2022) के अनुसार विद्यार्थियों की व्यावसायिक शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं रुचि में विविधता पाई जाती है। इसी प्रकार घायल (2022) तथा गुप्ता एवं गौड़ (2023) के अध्ययन यह दर्शाते हैं कि विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न होती है तथा यह कई कारकों से प्रभावित होती है। वहीं श्रीवास्तव एवं राव (2024) के अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। उपरोक्त अध्ययनों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि यद्यपि व्यावसायिक अभिरुचि, अभिवृत्ति एवं अभिप्रेरणा पर अनेक शोध कार्य किए गए हैं, तथापि व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य संबंध पर अपेक्षाकृत कम अध्ययन उपलब्ध हैं, विशेषकर क्षेत्रीय स्तर पर। अतः प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य संबंध का अध्ययन करना है, जिससे यह ज्ञात किया जा सके कि किस प्रकार ये दोनों कारक विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं व्यावसायिक विकास को प्रभावित करते हैं। यह अध्ययन न केवल शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि नीति-निर्माताओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध :एक अध्ययन।

संक्रियात्मक परिभाषा

1. व्यावसायिक जागरूकता :- व्यावसायिक जागरूकता से अभिप्राय किसी व्यवसाय के विषय में आवश्यक अथवा जरूरी बातों की तथा उससे जुड़े योग्यता-अयोग्यताएं, कार्य कुशलता तथा क्षेत्र की महत्ता की जानकारी होने से है।
2. अभिप्रेरणा :-अभिप्रेरणा का अर्थ किसी व्यक्ति के लक्ष्योन्मुख व्यवहार को सक्रिय या उर्जान्वित करना है।

3. माध्यमिक स्तर :- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से तात्पर्य कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत छात्र छात्राओं से हैं। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से तात्पर्य कक्षा नवीं एवं दसवीं के विद्यार्थियों से है

शोध के उद्देश्य :-

इस शोध के अध्ययन हेतु निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्धारण किया गया है जिससे यह शोधकार्य करने में सफलता प्राप्त हो सके –

1. विद्यार्थियों की व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
2. बालक एवं बालिकाओं के व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के मध्य सह संबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं :-

1. विद्यार्थियों की व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. बालक एवं बालिकाओं के व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नही है।

शोध विधि : इस शोध अध्ययन की प्रकृति वर्णनात्मक है तथा इसमें सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है।

जनसंख्या :-प्रस्तुत शोध मे जनसंख्या के रूप में श्रावस्ती जनपद के माध्यमिक स्तर विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श :-प्रस्तुत शोध के अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में जनपद श्रावस्ती के यूपी बोर्ड के माध्यमिक विद्यालय के नवीं एवं दसवीं के कुल 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

न्यादर्शन विधि :-प्रस्तुत शोध में उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन तकनीकी का उपयोग किया गया है।

शोध उपकरण :-प्रस्तुत लघु शोध में आंकड़ों के एकत्रीकरण के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली उपकरण का – 'व्यावसायिक जागरूकता मापनी' एवं 'अभिप्रेरणा मापनी' प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियां

इस शोध अध्ययन में समस्त आंकड़ों की विश्लेषण के लिए शोधकर्ता द्वारा मध्य मानक विचलन और पियर्सन सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या

1. **शोध उद्देश्य 1- विद्यार्थियों की व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।**

H_{o1}::- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

अध्ययन का प्रथम उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु संकलित आंकड़ों का विश्लेषण कर दोनों चरों के मध्य संबंध ज्ञात किया गया। इसके लिए पियर्सन सहसंबंध गुणांक (Pearson Correlation Coefficient) का उपयोग किया गया।

तालिका संख्या 1.विद्यार्थियों की व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध

क्र.सं	चर	N	r मान	सार्थकता स्तर
1	व्यावसायिक जागरूकता	100	0.724	0.01
2	अभिप्रेरणा			

ग्राफ संख्या 1 .माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का स्कैटर आरेख

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध गुणांक (r = 0.724) पाया गया है, जो कि धनात्मक एवं उच्च स्तर का है। प्राप्त सहसंबंध गुणांक df = 98 पर 0.01 स्तर के लिए सार्थक पाया गया है। साथ ही इसका p-मान(0.000) 0.01 स्तर से कम है, जिससे यह सहसंबंध सांख्यिकीय रूप से सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना (Ho), जिसमें यह कहा गया था कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है, अस्वीकृत की जाती है।

इस प्रकार निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य उच्च, धनात्मक एवं सार्थक सहसंबंध पाया जाता है। अर्थात् जैसे-जैसे व्यावसायिक जागरूकता बढ़ती है, अभिप्रेरणा भी बढ़ती है। इसके अतिरिक्त यह भी कहा जा सकता है कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक एवं परिवर्तनशील शैक्षिक वातावरण में विद्यार्थियों की व्यावसायिक जागरूकता उनके व्यक्तित्व विकास एवं अभिप्रेरणा को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है। उचित व्यावसायिक निर्देशन, परामर्श तथा व्यवसाय संबंधी जानकारी विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच एवं भविष्य के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित करती है, जिससे उनकी प्रेरणा शक्ति में वृद्धि होती है।

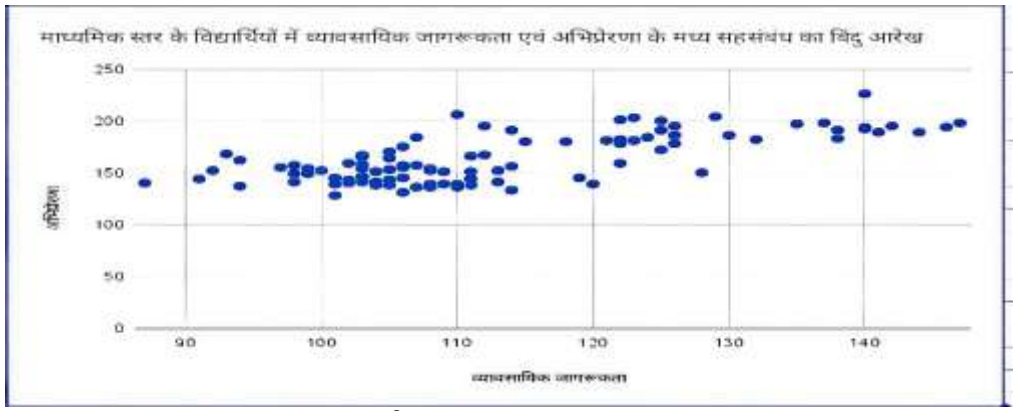

प्रस्तुत शोध परिणाम की पुष्टि पूर्ववर्ती अध्ययनों से भी होती है। शर्मा (2019) ने अपने अध्ययन में पाया कि विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध विद्यमान है। इसी प्रकार प्रसान्त एवं मनीचन्दर (2012) के अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा उनके व्यवहार, प्रदर्शन एवं उपलब्धि को प्रभावित करती है। इन अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि अभिप्रेरणा विद्यार्थियों के विकास एवं उपलब्धि से घनिष्ठ रूप से संबंधित होती है तथा व्यावसायिक जागरूकता इसके विकास में सहायक सिद्ध होती है। अतः उपर्युक्त निष्कर्षों एवं पूर्ववर्ती अध्ययनों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा परस्पर संबंधित चर हैं तथा दोनों के मध्य उच्च एवं धनात्मक संबंध पाया जाता है।

2. शोध उद्देश्य 2- बालक एवं बालिकाओं के व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

H_{o2}:-माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु संकलित आंकड़ों का विश्लेषण कर बालक एवं बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक सहसंबंध ज्ञात किया गया। इसके लिए पियर्सन सहसंबंध गुणांक (Pearson Correlation Coefficient) का उपयोग किया गया।

तालिका 2.बालक एवं बालिकाओं के व्यावसायिक जागरूकता और अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध

बालक में एवं बालिकाओं में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध

समूह	संख्या (N)	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता स्तर
बालक (Male)	79	0.717**	0.01 स्तर
बालिका (Female)	21	0.579**	0.01 स्तर

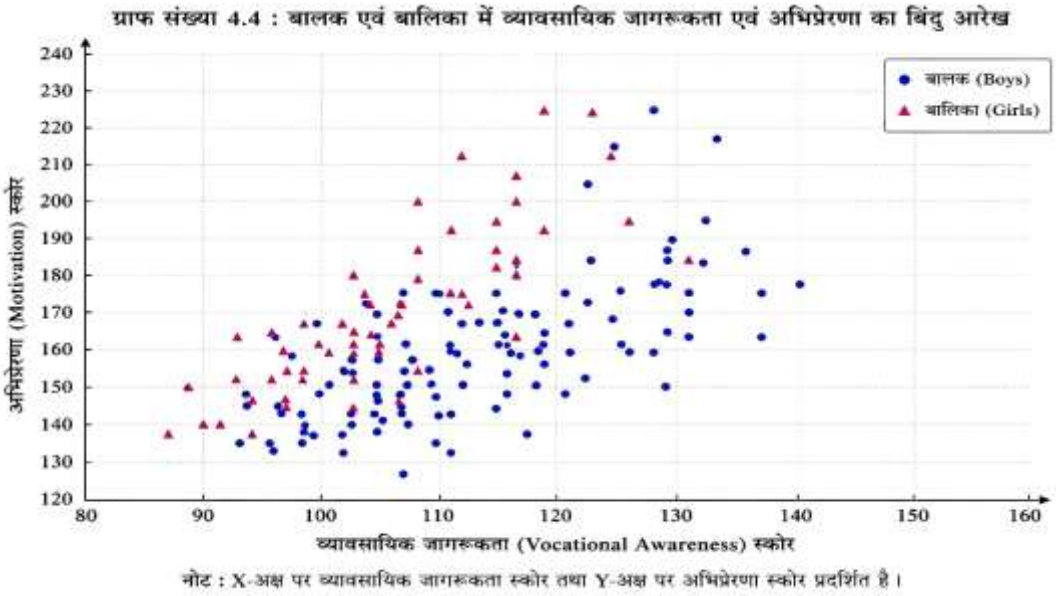

ग्राफ 2. बालक एवं बालिकाओं में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का स्कैटर आरेख

उपरोक्त तालिका संख्या के अवलोकल से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के बालकों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध गुणांक (r=0.717) पाया गया है, जो कि उच्च धनात्मक सहसंबंध को दर्शाता है।

अतः शून्य परिकल्पना (Ho_2), जिसमें यह कहा गया था कि बालक एवं बालिकाओं में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है, अस्वीकृत की जाती है। इसी प्रकार बालिकाओं में सहसंबंध गुणांक (r=0.579) पाया गया है, जो कि मध्यम स्तर का धनात्मक सहसंबंध है। प्राप्त सहसंबंध गुणांक का परीक्षण करने पर यह पाया गया कि दोनों ही समूहों के लिए यह सहसंबंध 0.01 स्तर पर सार्थक है, क्योंकि इनके p-मान 0.01 से कम है।

इस प्रकार निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं दोनों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सकारात्मक एवं सार्थक सहसंबंध विद्यमान है, यद्यपि यह सहसंबंध बालकों में बालिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रबल पाया गया है। इसका आशय यह है कि जिन विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता का स्तर अधिक होता है, उनमें लक्ष्य प्राप्ति, आत्मविकास तथा भविष्य निर्माण के प्रति अभिप्रेरणा भी अधिक पाई जाती है। व्यावसायिक जानकारी एवं व्यवसाय संबंधी स्पष्टता विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता तथा उपलब्धि की भावना को विकसित करने में सहायक सिद्ध होती है।

बालकों एवं बालिकाओं के सहसंबंध स्तर में पाए गए अंतर के पीछे विभिन्न सामाजिक, पारिवारिक एवं मनोवैज्ञानिक कारक उत्तरदायी हो सकते हैं। सामान्यतः बालिकाओं पर अध्ययन के अतिरिक्त घरेलू एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों का अतिरिक्त भार भी होता है, जिसके कारण उन्हें व्यवसाय संबंधी जानकारी प्राप्त करने, विभिन्न व्यवसायों का अन्वेषण करने तथा अपने व्यावसायिक लक्ष्यों पर पूर्ण रूप से केंद्रित होने के अवसर अपेक्षाकृत कम मिल पाते हैं। दूसरी ओर, बालकों को सामाजिक एवं पारिवारिक स्तर पर व्यवसाय निर्माण एवं व्यावसायिक निर्णयों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक प्रोत्साहन एवं स्वतंत्रता प्राप्त होती है। यही कारण हो सकता है कि वर्तमान अध्ययन में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध बालकों में बालिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रबल पाया गया है।

प्रस्तुत निष्कर्ष पूर्ववर्ती अध्ययनों से भी समर्थित हैं। गुप्ता (2019) तथा गोस्वामी (2021) के अध्ययनों में यह पाया गया कि व्यावसायिक रुचियों एवं अभिरुचियों में लिंग के आधार पर अंतर विद्यमान है, जो वर्तमान अध्ययन में भी परिलक्षित होता है, जहाँ बालकों एवं बालिकाओं के सहसंबंध स्तर में भिन्नता पाई गई। इसके अतिरिक्त, कोंडलदेव (2021) एवं मिश्रा एवं भार्गव (2022) के अध्ययनों में यह स्पष्ट किया गया है कि व्यावसायिक अभिवृत्ति एवं रुचि विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा को प्रभावित करती है। इन अध्ययनों से यह भी स्पष्ट होता है कि

विद्यार्थियों की प्रेरणा केवल व्यक्तिगत कारकों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि सामाजिक परिवेश, पारिवारिक समर्थन एवं व्यावसायिक जागरूकता से भी प्रभावित होती है।

अतः उपर्युक्त निष्कर्षों एवं पूर्ववर्ती अध्ययनों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य घनिष्ठ एवं सकारात्मक संबंध विद्यमान है तथा लिंग के आधार पर इसके स्तर में कुछ भिन्नता पाई जा सकती है।

शोध अध्ययन के निष्कर्ष

आंकड़ों के विश्लेषण से निम्नलिखित शोध निष्कर्ष प्राप्त हुए –

- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करने पर यह पाया गया कि दोनों चरों के बीच उच्च, धनात्मक एवं सार्थक सहसंबंध विद्यमान है। इसका अर्थ है कि जिन विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता अधिक पाई गई, उनमें अभिप्रेरणा का स्तर भी अधिक पाया गया। यह संबंध सांख्यिकीय रूप से सार्थक पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि व्यावसायिक जागरूकता, विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।
- बालक एवं बालिकाओं में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करने पर यह पाया गया कि दोनों समूहों में सकारात्मक एवं सार्थक सहसंबंध विद्यमान है। बालकों में यह संबंध अधिक प्रबल पाया गया, जबकि बालिकाओं में यह संबंध अपेक्षाकृत मध्यम स्तर का पाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि लिंग के आधार पर हल्का अंतर होने के बावजूद दोनों समूहों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा परस्पर संबंधित हैं।

शैक्षिक निहितार्थ

शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास का आधार है, जो विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व एवं आत्मनिर्भरता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं वृत्ति संबंधी निर्णयों को प्रभावित करने वाले प्रमुख आयाम हैं। प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सकारात्मक एवं सार्थक सहसंबंध विद्यमान है। जिन विद्यार्थियों में विभिन्न व्यवसायों एवं अवसरों के प्रति अधिक जागरूकता पाई गई, उनमें प्रेरणा का स्तर भी अधिक देखा गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020,, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा 2022, स्किल इंडिया मिशन तथा राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन जैसी पहलें कौशल-आधारित एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देती हैं (शिक्षा मंत्रालय, 2020)। प्रोजेक्ट आधारित अधिगम, इंटर्नशिप एवं कार्य-आधारित शिक्षण विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा को सुदृढ़ करने में सहायक हैं। साथ ही, शिक्षकों द्वारा गतिविधि-आधारित शिक्षण, व्यवसाय मार्गदर्शन एवं प्रेरणात्मक तकनीकों का प्रभावी उपयोग विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं भविष्य के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित करता है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि विद्यालय स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा, व्यवसाय काउंसलिंग एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन से विद्यार्थियों की व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा में वृद्धि की जा सकती है, जिससे वे उचित एवं यथार्थवादी व्यवसाय चयन करने में सक्षम बनेंगे।

Reference

[1]. तिवारी (2016)। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि पर पारिवारिक पर्यावरण के प्रभाव का अध्ययन, *एशियन जर्नल ऑफ़ एज्युकेशनल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी*, 6 (2),173-176.

[2]. शंकर ,आर., कुमार ,वी. एवं अरोड़ा, एस. (2016)। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का पारिवारिक संरचना सामाजिक परिवेश व विद्यालय स्वरूप के परिपेक्ष में अध्ययन, *रिव्यू ऑफ़ रिसर्च*, 7 (9),1-5 .

[3]. सिंह, ए.के.(2017)। *मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां*। दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास

[4]. कोल, लोकेश. (2018)। *शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली* (पुनर्मुद्रित संस्करण). नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस।

[5]. गुप्ता, ए. (2019)। एक कंपैरेटिव स्टडी आफ वोकेशनल इंटरेस्ट ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन रिलेशन तो देयर जेंडर, *जर्नल ऑफ़ टीचर एजुकेशन एंड रिसर्च*,14 (2), 34- 36.

[6]. शिक्षा मंत्रालय (2020)। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020", भारत सरकार, नई दिल्ली। https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf

[7]. गोस्वामी ,एस .(2021)। मेरठ जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की विभिन्न व्यावसायिक रुचियां का तुलनात्मक अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ अप्लाइड रिसर्च,* 7 (12), 13-17.

[8]. कोंडलराव, त. (2021)। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक स्तर के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ अप्लाइड रिसर्च,* 7. (11), 150-152.

[9]. मंगल ,एस .के.(2022) । *व्यवहारिक विज्ञानों में अनुसंधान विधियां*। दिल्ली: पी .एच. आई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड

[10]. मिश्रा, एस. एवं भार्गव, एस. (2022)। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक शिक्षा के प्रति रुचि का अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस इन सोशल साइंसेज,* 7 (9), 93-99.

[11]. घासल, आर. (2022)। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक कोर्स के चुनाव के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन", *जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स,* 10 (5), 101-106.

[12]. विनीता (2023)। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के व्यावसायिक अभिरुचि पर पारिवारिक पर्यावरण के प्रभाव का अध्ययन, *इंटरनेशनल जनरल का मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च, 5*(4), 1-5.

[13]. गुप्ता, एम. के.(2023)। माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च*,11(1), 313-319.

[14]. श्रीवास्तव ,डी.एवं राव, ए. के. जी.(2024)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यावसायिक एवं रोजगारपरक शिक्षा का अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च, 6* (7), 1-5.

[15]. बहुगुणा और शर्मा (2025)। एजुकेशनल एंड वोकेशनल इंटरेस्ट इन रिलेशन तो एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट इन दिल्ली, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड इंजीनियरिंग ट्रेंड्स*, 11(3).

Cite this Article:

सृष्टि सिंह एवं डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव, " जनपद श्रावस्ती के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक जागरूकता एवं अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन ", Ved International Journal of Arts, Commerce and Technology (VIJACT), ISSN: 3139-1656 (Online), Volume 2, Issue 5, pp. 22-28, May 2026.

Journal URL: https://vijact.com

***DOI:** https://doi.org/10.65785/vijact.v2i5.44*